पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विज्ञान, भाषा विज्ञान, कोट विज्ञान पादप संरक्षण, बागवानी मृदा संरक्षण, विपणन तथा निरीक्षण, जीव विज्ञान तथा वनस्पति विज्ञान, कृषि विज्ञान सांख्कीय आदि क्षेत्रों में अपने-अपने क्षेत्र के विशेषज्ञों की सलाहकार समिति की 1961 तथा 1977 के बीच हुई विभिन्न बैठकों में इन शब्दों का मूल्यांकन तथा अनुमोदन करवा लिया था ।

प्राथमिक स्तर की विज्ञान पुस्तकें

1485. **श्री शिवप्रसाद चनपुरिया : क्या मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश में ऐसे विज्ञान शिक्षकों की संख्या कितनी है जो प्राथमिक स्तर की विज्ञान-पुस्तकें मौलिक रूप से हिन्दी में लिख सकते है ;

(ख) क्या सरकार राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् के माध्यम से विज्ञान विषय के इन लेखकों से प्राथमिक और माध्यमिक स्तर की विज्ञान पुस्तकों को तैयार करा सकती है, यदि नहीं, तो जुलाई, 1992 तक कितनी विज्ञान पुस्तकें प्रकाशित की जायेंगी और हिन्दी मे मौलिक रूप से विज्ञान की पाठ्य-पुस्तकें तैयार कराने के लिए अन्य क्या व्यवस्था किए जाने का विचार है; और

(ग) प्राथमिक स्तर के लिए अनूदित और मौलिक विज्ञान पुस्तकों के मूल्यांकन के लिए तन्त्र-व्यवस्था क्या है और इस कार्य मे कौन-कौन से विज्ञान लेखकों को शामिल किया गया है?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अर्जुन सिंह) : (क) और (ख) हिन्दी में दक्षता प्राप्त विज्ञान अध्यापकों को प्राथमिक स्तर पर विज्ञान की पुस्तकों के सम्भाव्य लेखकों के रूप में लिया जा सकता है रा० शै० अ० प्र० प० से प्राप्त सूचना के अनुसार यह प्राथमिक और माध्यमिक स्तर पर विज्ञान की पुस्तकों को तैयार करने में बड़ी संख्या में ऐसे विज्ञान शिक्षकों को संबद्ध करती रही है ।

(ग) राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद अपनी पुस्तकों के प्रकाशन के क्रम में अनुदित पुस्तकों की विषय-वस्तु की शुद्धता विषय-वस्तु के क्रम निर्धारण सचित्र उदाहरणों आदि से युक्त विस्तृत प्रश्नावलियों के माध्यम से शिक्षकों और विशेषज्ञों की मदद लेती है और यही मूल्यांकन का आधार बनता है। राज्य एजेंन्सियां अपना स्वयं का पैटर्न अपनाती हैं ।

Internal Test Examination of National open School

1486. SHRI ASHOK NATH VERMA : Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the National Open School has not conducted Internal Test Examination in March, 1992 for those candidates who did not qualify in the first test held in December, 1991 or could not appear due to ill-health or unavoidable circumstances with the result that such students would not be eligible to appear in Senior Secondary Examination to be held in May, 1992 ;

(b) if so, what are the reasons for not conducting March, 1992 internal test by National Open School ; and

(c) what remedial measures Government propose to take in the matter ?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH) : (a) Yes, Sir.

(b) and (c) There is no provision under the Rules of National Open School for conducting the Internal Test in the month of March. As per the schedule of Tests printed in the prospectus/admission forms issued to the candidates seeking admission in the National Open School, two Internal Tests are to be conducted by the organisation in December and June every year. As such, the candidates who did not qualify the Internal Test held in December 1991 can appear in the Internal test to be conducted in June, 1992.